बजट आबंटन

अनुलग्नक–1

कृषि विभाग

- वर्ष 2005–06 में कृषि विभाग का योजना व्यय 20.43 करोड़ था जो 2011–12 में बढ़कर 863.86 करोड़ उद्व्यय निर्धारित है। वर्ष 2012–13 में इसे लगभग 25 प्रतिशत बढ़ाकर 1200 करोड़ निर्धारित किया गया है। कृषि रोड मैप के कियान्वयन के क्रम में वर्ष 2012–13 में 9508 करोड़ रूपए का योजना उद्व्यय निर्धारित किया है जो कुल योजना उद्व्यय का 34 प्रतिशत है।

जल संसाधन विभाग

- वर्ष 2012–13 के योजना व्यय अन्तर्गत कोशी वेसिन की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 237 करोड़, गण्डक वेसिन की परियोजनाओं के लिए 97.57 करोड़, सोन वेसिन हेतु 294 करोड़, किउल–बदुआ–चक्नन वेसिन की सिंचाई परियोजनाए हेतु 72 करोड़ बाढ़ नियंत्रण तथा जल निस्सरण हेतु 935 करोड़ रू0 का बजट उपबन्ध किया गया है।

शिक्षा विभाग

- शिक्षा विभाग का योजना उद्व्यय वर्ष 2011–12 में 3014.00 करोड़ था। वर्ष 2012–13 में 3670.26 करोड़ का उद्व्यय है जो कुल योजना उद्व्यय का 13.11 प्रतिशत है ।
- शिक्षा पर कुल 15,047 करोड़ रू0 खर्च किए जाएँगे। गैर योजना 8890.21 करोड़, राज्य योजना 3670 करोड़ केन्द्र प्रायोजित योजना 2487.01 इसमें शामिल है।
- प्राथमिक शिक्षा पर 9093 करोड़, माध्यमिक शिक्षा पर 3201.22 करोड़, विश्वविद्यालय शिक्षा पर 2497 करोड़, प्रौढ़ शिक्षा पर 255.05 करोड़ व्यय होंगे।
- राज्य के 28 हजार करोड़ के योजना उद्व्यय में सबसे अधिक राशि 3670.26 करोड़ जो कुल उद्व्यय का 13.11% प्रतिशत शिक्षा पर व्यय किया जाएगा।
- जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना के जीर्णोद्धार तथा भवन निर्माण कराने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है । वर्ष 2012–13 में 1 करोड़ का प्रावधान है।
- मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के वर्ग–1(एक)/प्रारंभिक कक्षा में समाज के कमजोर एवं अलाभकारी समूह के बच्चों के नामांकन हेतु 25 प्रतिशत कोटा के अन्तर्गत वर्ष 2011 में 3228 बच्चों का नामांकन किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन बच्चों पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्त्ति हेतु लगभग 1 करोड़ रू0 जिलों को आवंटित किया गया है। वर्ष 2012–13 में 5.25 करोड़ का उपबंध किया गया है।

ऊर्जा विभाग

- ऊर्जा विभाग का वर्ष 2011–12 में योजना उद्व्यय 1682.23 करोड़ था जिसे वर्ष 2012–13 में 2001.74 करोड़ निर्धारित किया गया है।
- बिहार राज्य विद्युत बोर्ड को परियोजनाओं हेतु ऋण के रूप में 1191.27 करोड़ रू0 तथा 2160 करोड़ रू0 अनुदान के रूप में देने का प्रावधान 2012–13 में किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2010–11 में बिहार राज्य विद्युत बोर्ड को 1080 करोड़ रू0 तथा वर्ष 2011–12 में जनवरी 2012 तक 2310 करोड़ रिसोर्स गैप के रूप में दिया गया है।

पंचायती राज विभाग

- वर्ष 2011–12 में 250 करोड़ रूपये प्राप्त हो रही है। जिससे 411 पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जाना है। तथा वर्ष 2012–13 में 250 करोड़ रू0 की लागत से 374 पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जायेगा।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

- बिहार महादलित विकास योजना के अन्तर्गत कुल सर्वेक्षित 2.19 लाख परिवार के विरूद्ध 1.33 वासरहित महादलित परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराई गयी है। रैयती भूमि के क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2011–12 में 32.86 करोड़ रू0 आवंटित किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2011–12 में जनवरी' 2012 तक 5386.88 एकड़ जमीन भूमि अर्जित की चुकी है।

नगर विकास एवं आवास विभाग

- बाढ़ नगर परिषद में 890 इकाई के लिए 34.66 करोड़ रू0, किशनगंज नगर परिषद फेज–2 में 1255 इकाई के लिए 30.55 करोड़ रू0, जमुई नगर परिषद में 960 इकाई के लिए 25.30 करोड़ रू0, फारबिसगंज नगर परिषद में 870 इकाई के लिए 21.52 करोड़ रू0 की स्वीकृति दी गयी है।
- बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड(बुडको) द्वारा राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकार तथा जवाहर लाल नेहरू योजना के अंतर्गत 2011–12 में जलापूर्ति, सिवरेज, ड्रेनेज और कचरा प्रबंधन की फरवरी 2011 तक 24 योजनाएँ शुरू की गयी है जिनकी कुल लागत 1480 करोड़ है।

समाज कल्याण विभाग

- सामाजिक सुरक्षा की छः पेंशन योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। वर्ष 2008–09 में लाभार्थियों की संख्या 20 लाख थी। वर्ष 2011–12 में बढ़कर 43.72 लाख हो गयी। वर्ष 2012–13 में 1063.81 करोड़ रू0 व्यय का प्रावधान है।
- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष जनवरी' 2011 तक 12 लाख कन्याओं को लाभान्वित किया गया है । वित्तीय वर्ष 2012–13 में 74.00 करोड़ का योजना उद्व्यय प्रस्तावित है।
- मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2012–13 में 60 करोड़ व्यय प्रस्तावित है। इस योजना से अबतक 10,66,637 लोगो को लाभ दिया जा चुका है।

अनु जाति एवं अनु० जनजाति कल्याण

- अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग अन्तर्गत वर्ष 2011–12 में 361.28 करोड़ का योजना उद्व्यय का प्रावधान था जिसे 2012–13 में 2 ½ गुणा वृद्धि करते हुए 839.94 करोड़ का उद्व्यय निर्धारित किया जा रहा है।
- वर्ष 2012–13 में 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है जिससे विद्यालय छात्रवृति योजना के तहत शत–प्रतिशत आच्छादित करने का निर्णय लिया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2012–13 में महादलित विकास हेतु 292.75 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

अल्प संख्यक कल्याण विभाग

- वर्ष 2001–02 से 2004–05 के चार वर्षों में मात्र 13.38 करोड़ रूपये उपबंध था जिसके विपरीत वर्ष 2005–06 से 2011–12 तक लगभग 805 करोड़ रूपये का बजट उपबंध किया गया है। अन्य विभागों के द्वारा कब्रिस्तान की घेराबंदी, हुनर एवं तालिमी मरकज जैसी योजनाओं हेतु प्रति वर्ष व्यय की जा रही राशि इसके अतिरिक्त है।
- वर्ष 2011–12 में अल्पसंख्यक कल्याण का योजना उद्व्यय 90 करोड़ रूपये था जबकि वर्ष 2012–13 में 125 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

उद्योग विभाग

- वर्ष 2012–13 में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रोत्साहन हेतु 80 करोड़, उद्योगों को प्री–प्रोडक्सन एवं पोस्ट प्रोडक्सन सुविधाओं हेतु 300 करोड़, भू अर्जन हेतु 30 करोड़, रेशम विकास हेतु 15.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- सरकार द्वारा औद्योगिक प्रोत्साहन नीति–2011 की घोषणा की गयी, जिसमें उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए व्यापक प्रावधान किये गये है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में इस हेतु 300.00 करोड़ की राशि प्रस्तावित है।

गन्ना उद्योग विभाग

- वर्ष 2010–11 में 414 लाख क्0 चीनी मिलो द्वारा गन्ना की पेराई कर किसानों को 828.01 करोड़ का भुगतान किया गया है।
- इस वर्ष रिकार्ड 5 लाख मीट्रिक टन चीनी के उत्पादन की संभावना है एवं लगभग 6.5 करोड़ क्विंटल गन्ना पेराई की संभावना है। गन्ना से चीनी की रिकवरी में सुधार हुआ है।
- आगामी वर्ष के लिए गन्ना उद्योग के बजट में 200 प्रतिशत वृद्धि की गई है। इसके माध्यम से गर्मी में सिंचाई के अतिरिक्त साधन, उन्नत किस्म के बीज एवं चीनी उद्योग को और प्रोत्साहन देना प्रस्तावित है। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सहयोग से राज्य सरकार बिडर बीज के उत्पादन के लिए नई योजना प्रारंभ करेगी।

गृह विभाग

- वित्तीय वर्ष 2011–12 में कुल 85.54 करोड़ रूपये का बजट उपलंध है। अबतक कुल 3059 कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है। वर्ष 2012–13 में 109.09 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- गैर योजना मद में केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत नक्सल प्रभावित जिलों के 85 थाना भवनों के निमार्ण हेतु 80:20 के अनुपात में 2 करोड़ रू0 प्रति थाना की दर से 170 करोड़ रू0 की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी है।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग

- राजगीर इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 33.56 करोड़ की लागत से ऑडिटोरियम, ट्रेनिंग कम सेमिनार कॉम्पलेक्स, ओपेन एयर थियेटर, मुख्य कन्वेंशन हॉल, बुकिंग काउंटर, पार्किंग, वाटर फाउंटेन, लैंडस्केपिंग आदि का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है।
- अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के साथ आवासन और भोजन व्यवस्था हेतु 37 करोड़ रू0 की लागत से कैफेटेरिया–सह–गेस्ट हाउस का निर्माण प्रस्तावित है। इसका निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2012–13 में किया जायेगा।
- पटना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के "बिहार संग्रहालय" (**Bihar Museum**) के निर्माण की येाजना की स्वीकृति दी गयी है। इस कार्य को मुर्त्तरूप प्रदान करने हेतु लॉर्ड कल्वरल रिसोर्सेज, टोरन्टो, कनाडा का "मास्टर प्लान कन्सल्टेन्ट" के रूप में चयन किया गया है। इस संग्रहालय भवन के वास्तुविद् परामर्शी 'मेसर्स माकी एंड एसोसिएट', ओपोलिस, मुम्बई का चयन किया गया है। 172.00 करोड़ रू0 लागत से इस संग्रहालय भवन का निर्माण नवम्बर' 2012 से प्रारंभ करने का तथा मार्च' 2015 तक पूरा करने का लक्ष्य है।
- बुद्ध–स्मृति पार्क परिसर में नये संग्रहालय का विकास : पटना में नव निर्मित बुद्ध–स्मृति पार्क परिसर में बुद्ध के जीवन–वृत्त एवं उनके सिद्धान्तों से संबंधित संग्रहालय विकसित करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फर्म लॉर्ड कल्वरल रिसोर्स का चयन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में इस कार्य को प्रारंभ किया जायेग ।
- धरोहर संरक्षण प्रक्षेत्र में राज्य के 29 पुरातात्विक स्थलों/स्मारकों के संरक्षण तथा नालन्दा विरासत विकास योजना के लिए क्रमशः 50–50 करोड़ रू0 अनुदान राशि प्राप्त होगा।
- नालन्दा विरासत विकास योजना के अन्तर्गत नालन्दा में पर्यटन सुविधा के विकास एवं विरासत संरक्षण का प्रस्ताव है। 13वें वित्त आयोग द्वारा नालन्दा के विरासत विकास योजना के लिए 50 करोड़ रू0 की राशि प्राप्त होगा, जिससे अगले 4 वर्षों में पूरा किया जायेगा।